2026:AHC:208756

HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD

WRIT - C No. - 40391 of 2026

Bajaj Allianz General Insurance Company Ltd

.....Petitioner(s)

Versus

M/S Ajay Traders And Another

.....Respondent(s)

Counsel for Petitioner(s)	:	Pawan Kumar Singh
Counsel for Respondent(s)	:	Jigyanesh Singh, Jitendra Kumar, Santosh Kumar Tiwari

---

Court No. - 36

HON'BLE SAURABH SHYAM SHAMSHERY, J.

1. Heard Sri Pawan Kumar Singh, learned counsel for petitioner and Sri Santosh Kumar Tiwari, learned counsel for contesting-respondent.

2. Petitioner-Bajaj Allianz General Insurance Company Ltd. is aggrieved by order dated 05.06.2026 passed by Permanent Lok Adalat, Gorakhpur, whereby petitioner Company was held liable to pay Rs. 12,70,340/- towards loss to contesting-respondent’s factory due to storm and cyclone, in terms of Insurance Policy.

3. Learned counsel for petitioner referred para 17 of impugned order that conciliation proceedings were not undertaken in terms of Section 22-C of Legal Services Authorities Act, 1987. He further submits that though the heavy rain and storm on the date of occurrence is not specifically denied but on post incident inspection it was found that asbestos sheets were not properly attached and there was water seepage between gaps and it was not entirely due to said storm and heavy rain.

4. Learned counsel further submits that insurance policy was for

construction unit but the premises was used for warehouse, therefore, also the claim was denied.

5. Per contra, learned counsel appearing for contesting-respondent refers impugned order that insurance policy was issued after inspection was conducted by Insurance Company and no objection was taken at that stage. Policy was issued on 17.03.2021 whereas the occurrence took place on 09/10.05.2021, i.e., within two months. The surveyor report assessed loss and quantified the damage and same was accepted in impugned order.

6. So far as conciliation is concerned, learned counsel submits that order sheet is not on record and undisputedly conciliation proceedings were failed.

7. I have considered aforesaid submissions and perused the material available on record.

8. So far as conciliation proceeding is concerned, the observations made in paragraph no. 17 of impugned order does not appear to be satisfactory, still since both parties appear before this Court, therefore, the matter is heard on merit.

9. In the present case, on basis of record and above submissions two facts are undisputed. Firstly, the policy was issued on 17.03.2021 by petitioner after inspection of premises in question and secondly, heavy rain and storm took place on 09/10.05.2021 and damage was caused due to water seepage to the property of contesting respondent.

10. The survey report is on record. Loss was determined and same was accepted by Permanent Lok Adalat in impugned order. Therefore, so far

as assessment of loss is concerned, there is not much dispute to it.

11. Now the main dispute before this Court is, whether in given set of circumstances the loss occurred due to rain and storm would cover by insurance policy?

12. Insurance policy is on record which says that it covers loss and damage caused due to storm and cyclone also. Therefore, if other conditions are fulfilled, the loss would be compensated by Insurance Company since it was due to storm and cyclone, which is an admitted case.

13. The contesting-respondent has specifically claimed in para 9 of claim petition that insurance policy was issued only after an inspection was conducted by Insurance Company. In reply to said para, the Insurance Company in para 10 of reply has admitted that survey was done and it has not been specifically denied. Therefore, the insurance policy was issued only after survey was conducted and no objection was made at that stage that asbestos roof of premises were not adequately tied by nut and bolt and there were some gap. Therefore, any argument that within two months fixation of asbestos become loose cannot be accepted.

14. Otherwise also, it was a day of heavy rain and storm and asbestos sheet would not be able to sustain such heavy rain and storm. It is not a case of seepage rather due to heavy rain, water came inside the premises and damage was caused.

15. The Court also takes note the reasons assigned by Permanent Lok Adalat in impugned order and for reference relevant paras thereof are reproduced hereinafter:

“18. पत्रावली का परिशीलन किया गया। पत्रावली के परिशीलन से स्पष्ट है कि विपक्षी बजाज एलियान्ज जनरल इंश्योरेन्स कम्पनी से Standard Fire And Special Perils Policy याची द्वारा अपने शोरुम व गोदाम हेतु दिनांक 17.03.2021 से 16.03.2022 तक की अवधि के लिए कराया गया था। उक्त तथ्यों पर कोई विवाद नहीं है। याची का कथन है कि दिनांक 09/10.05.2021 के मध्य रात्रि को भयानक रूप से आंधी-पानी व ओले पड़े, जिससे परिवादी के गोदाम की एस्बेस्टस सीट से निर्मित छत टूट गया, अत्यधिक बारिश होने के कारण गोदाम के अगल-बगल पानी इकट्ठा हो गया, जिससे बारिश का पानी गोदाम के अन्दर भर गया। गोदाम में रखे सनमाइका व प्लाइउड बुरी तरह भीग जाने के कारण खराब हो गया। विपक्षी बीमा कम्पनी का कथन है कि बीमित परिसर सर्वेक्षकों के सर्वेक्षण और सत्यापन के अनुसार यह पाया गया कि एस्बेस्टस चादरें ठीक से नहीं लगी थीं, जिसके परिणामस्वरूप बीमित परिसर के भीतर बारिश के पानी का रिसाव हुआ। चूंकि रिसाव (Seepage) एक बीमित जोखिम (Insured peril) नहीं है, इसलिए बीमित व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत दावा पालिसी के तहत स्वीकार्य नहीं पाया गया है।

xxx

20. सर्वप्रथम इस तथ्य की विवेचना होनी है कि क्या 09/10.05.2021 की रात भारी बारिश, ओलावृष्टि हुई थी अथवा नहीं? बीमा कम्पनी द्वारा प्रस्तुत सर्वे रिपोर्ट में यह कथन है कि बीमित व्यक्ति के अनुसार 09/10.05.2021 की रात में ओलावृष्टि और उसके बाद भारी बारिश हुई है। अग्रेतर रूप से सर्वे रिपोर्ट में यह कथन है कि ओलावृष्टि और उसके बाद भारी बारिश की घटना समाचार पत्र की रिपोर्ट में भी प्रकाशित हुई है। सर्वेयर द्वारा दैनिक समाचार पत्र की कटिंग को अपनी सर्वे रिपोर्ट में स्कैन किया गया है, जिसमें यह अंकित है कि "जिले में मौसम का मिजाज रविवार को बदल गया। आसमान में काले बादल छा गए। तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। गरज -चमक के साथ हुई बारिश में ओले भी गिरे। जिले के कई हिस्सों में ओल गिरे। मौसम विशेषज्ञ केसी पांडेय ने बताया कि बंगाल की खाड़ी की तरफ से सिस्टम सक्रिय हुआ था।" बीमा कम्पनी द्वारा भारी बारिश ओलावृष्टि होने से इनकार नहीं किया गया है। विपक्षी बीमा कम्पनी द्वारा ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है, जो दिनांक 09/10.05.2021 की रात के पूर्व का हो, जिससे यह सिद्ध हो कि प्रश्नगत गोदाम में एस्बेस्टस शीट के जोड़ों को ठीक से फिक्स नहीं किया गया था, उसमें गैप्स था, जिससे बारिश का पानी अन्दर आया। जो साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है, वह भारी बारिश व ओलावृष्टि होने के बाद का है। इससे स्पष्ट है कि दिनांक 09/10.05.2021 की रात हुई तेज हवाओं के साथ भारी बारिश और ओलावृष्टि के कारण एस्बेस्टस शीट उखड़ गया और गोदाम में रखा माइका व प्लाइउड का सामान नष्ट हो गया। Standard Fire And Special Perils Policy के अन्तर्गत आने वाले जोखिम को जवाबदावा के पैरा 20 में उल्लेख किया गया है, जिसके 6 नम्बर पर Srom, Cyclone, Typhoon, Tempest, Hurricane, Tornado, Flood and Inundation अंकित है।

इससे स्पष्ट है कि तेज हवाओं के साथ भारी बारिश और ओलावृष्टि के कारण याची के गोदाम रखा सामान नष्ट हुआ है, जो उक्त पालिसी अन्तर्गत आता है।

xxx

22. याची द्वारा कुल 18,41,639.81 रुपये के लिए क्लेम किया गया है। सर्वेयर की रिपोर्ट में Salvage के रूप में 65 प्रतिशत की कटौती की गयी है, जबकि याची द्वारा अपने शपथयुक्तजवाब में इसका विरोध किया गया है और यह कथन किया गया है कि उसके गोदाम में रखा सामान माइका व प्लाईवुड था, जो भारी बारिश व जल जमाव के कारण पूरी तरह गल कर नष्ट हो गया, जिस कारण उसके Salvage का कोई मूल्य नहीं होता है। सर्वे रिपोर्ट में Salvage के रूप में 65 प्रतिशत की कटौती सत्यापन के बाद करने का कथन किया गया है, परन्तु उसका कोई आधार अथवा साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है।

23. सर्वे रिपोर्ट में कुल Assessed Loss 28,33,292.00 रुपये आंकलित की गयी है। उक्त धनराशि पर Less Salvage 20% (5,66,658.4 ₹), Loss = 22,66,633.6 ₹, Less 10% (2,26,663.36 ₹) for rate variation in absence of Purchase Bill, Loss = 20,39,970.24 ₹, Less under insurance @ 34.45% (7,02,769.74 ₹), Loss = 13,37,200.5, Less @ 5% (66,860.02 ₹) Excess Clause, Adjusted Net Loss = 12,70,340.48 or 12,70,340-00 ₹, जिसे याची प्राप्त करने का अधिकारी है।

24. उपर्युक्त विवेचनोपरांत यह तथ्य सिद्ध पाया जाता है कि याची के बीमा क्लेम को गलत तथ्यों के आधार पर विपक्षी बीमा कम्पनी द्वारा निरस्त किया गया है। अतएव याचियों की याचिका आंशिक रूप से स्वीकार किये जाने योग्य है। याची, विपक्षी बजाज एलियाज जनरल इंश्योरेन्स कम्पनी से बीमा क्षतिपूर्ति के रूप 12,70,340.00 रुपये एवं इस धनराशि पर ब्याज याचिका प्रस्तुत करने की तिथि 20.09.2021 से पाने का अधिकारी है।"

16. After considering entire aspect of case as well as considering above referred submissions, the Court finds that impugned order was passed on basis of material available on record and after appreciation of evidence. The net loss was determined only on basis of survey report of Insurance Company and since policy was issued after inspection of premises, therefore, any argument that asbestos sheets were loosely fitted is not sustainable, therefore, there is no reason to interfere with impugned order.

17. The writ petition is accordingly dismissed.

(Saurabh Shyam Shamshery,J.)

October 6, 2026
AK

Digitally signed by :-
AWADESH KUMAR
High Court of Judicature at Allahabad